

3-4
25

पत्राव भी जेय दुरी वनीत वावी
व वावीजग खनुपकिना । वर-
वाट भावाज निरारि गरी निर
नी खनुपकिना । वर- इतर
प्रकटा इतिम शरी वरम
पैरनी दे खरिज निमा जाल
ही पत्राव भी जेयत गुणल
देवा गंवा रे वाव दे

सहायक कलेक्टर
बड़ीसादड़ी

